हरिभूमि

भिवानी-दादरी भूमि

रोहतक, शुक्रवार 10 जुलाई 2026

11 विभाग व संस्थान के अधिकारी मिलकर...

12 उधार के राशन से किया जा रहा है बच्चों का पोषण

खबर संक्षेप

विवाहिता दो वर्ष के बच्चे सहित लापता, केस दर्ज

लोहारू। उपमंडल के गांव से विवाहिता दो वर्ष के बच्चे सहित लापता हो गई। विवाहिता के पति ने लोहारू पुलिस थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस को दी शिकायत में व्यक्ति ने बताया कि उसकी पत्नी दो वर्ष के बेटे को साथ लेकर बिना बताए कहीं चली गई। उसकी आस पड़ोस और मिलने वालों में तलाश की गई लेकिन सुराग नहीं लगा। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर विवाहिता की तलाश शुरू कर दी।

खेतों में मिला व्यक्ति का शव, पहचान नहीं

तोशाम। गांव अलखपुरा के पास खेतों में हांसी तोशाम मार्ग पर सड़क के नजदीक करीबन 45 वर्षीय लावारिस व्यक्ति का शव मिला है। सूचना के बाद डायल 112 मौके पर पहुंची। इसके बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। गांव अलखपुरा निवासी सुनील ने बताया कि उसके खेत के नजदीक लावारिस शव पड़ा देखा। जिसके बाद उसने उसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना के बाद डायल 112 मौके पर पहुंची। इसके बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। शव पर कोई चोट का निशान नहीं था। शव का वीरवार को पोस्टमार्टम करवाकर शिनाख्त के लिए शव गृह भिवानी रखवाया जाएगा।

प्लास्टिक के दीर्घकालिक परिणाम विनाशकारी

चरखी दादरी। प्लास्टिक व पॉलीथिन का प्रयोग सभी के लिए घातक है, इससे भी ज्यादा खतरनाक उपयोग के बाद प्लास्टिक व पॉलीथिन का सही तरीके से निष्पादन नहीं करना है। उपायुक्त मनदीप कौर ने कहा कि लोगों को प्रशासन का सहयोग करते हुए प्लास्टिक व कूड़े आदि को केवल नगर परिषद की गाड़ियों में ही डालना होगा। तभी बदलाव की उम्मीद की जा सकती है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए, प्लास्टिक और पॉलीथिन के अंधाधुंध उपयोग से पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर पड़ रहे गंभीर दुष्प्रभावों के प्रति समाज को सचेत होना होगा। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक दैनिक जीवन में सुविधापूर्ण लगता है, लेकिन इसके दीर्घकालिक परिणाम विनाशकारी हैं।

रैंप नहीं टूटे तो हर बारिश में डूबेगा शहर, बरसात आई, व्यवस्था बह गई

बारिश ने खोली दावों की पोल, अवैध रैंपों और जाम नालों ने डुबोया भिवानी

राकेश भटठी ▶▶| भिवानी

हर वर्ष बरसाती मौसम शुरू होने से पहले जिला प्रशासन, नगर परिषद व जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग शहर में जलभराव नहीं होने के बड़े-बड़े दावे करते हैं। जिला प्रशासन, नगर परिषद व जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग हर बार नालों की सफाई करवा दी गई, पंप सिस्टम तैयार हैं और ड्रेनेज सिस्टम चुस्त-दुरुस्त है, लेकिन हकीकत इसके बिल्कुल विपरीत होती हैं, ये हकीकत बुधवार सुबह 40 मिनट हुई झमाझम बरसात से शहर की सड़कों व गलियों में जमा पानी को देखकर नजर आया। शहर में हर तरफ पानी ही पानी नजर आ रहा था और राहगीर, वाहन चालक अपने वाहन को चिंटी की भांति धीरे धीरे चला रहे थे, कही शहर में गड्ढों में जमा पानी में न फंस जाएं। इस मुख्य कारण शहर के बाजारों में दुकानदारों द्वारा दुकानों के आगे गुजरने वाले बरसाती नालों के ऊपर अवैध रूप से बनाए गए रैंप व सीढ़ियां हैं, जिसकारण पूरी सफाई व्यवस्था गड़बड़ा एवं चौपट हो जाती हैं।

उल्लेखनीय हैं कि हर वर्ष बरसात का मौसम शुरू होने से पहले जिला प्रशासन, नगर परिषद व जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा बरसाती नालों व सीवरेज की साफ सफाई करवाई जाती हैं, जिससे कि जलभराव जैसी स्थिति से बचाव किया जा सकें। सफाई सही ढंग से नहीं की जाती जिससे कि शहर में जलभराव नहीं होने के बड़े-बड़े दावे सार्थक हो सकें। जिला प्रशासन, नप व जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग नालों व सीवरेज की सफाई करवाता हैं, लेकिन दुकानों के आगे अवैध रूप से बनाए गए रैंपों एवं सीढ़ियों के नीचे सफाई ढंग से नहीं हो पाती। प्रशासन दुकानों के रैंप तोड़ भी देता हैं तो वह अगले एक दो दिन में फिर से बनवा लेते हैं, जिससे समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाता।

भिवानी। श्रीकृष्ण प्रणामी आश्रम के सामने बरसाती नाले पर बनाई गई सीढ़ियां व सीमेंटिड फर्श पर खड़ी बाइक व गाड़ियां, दादरी गेट पर बरसाती नाले पर बनाया गया सीमेंटिड फर्श व सीढ़ियां, जिसमें नाला नजर ही नहीं आता और दादरी गेट चौक पर नाले पर डाला गया सीमेंटिड स्लैब। फोटो : हरिभूमि

सामान व गाड़ियां खड़ी करने को बनाए रैंप

शहर के रोहतक चौक से फैंसी चौक, नया बाजार, सराय चौपटा, घंटाघर मार्केट, गोशाला मार्केट, किरोड़ीमल मंदिर क्षेत्र, जैन चौक, घोसियान चौक सहित अनेक बाजारों में दुकानदारों ने अपनी दुकानों के आगे सामान, बाइक व गाड़ी खड़ी करने के लिए अवैध रुप से सीमेंटिड रैंप एवं सीढ़ियां बना रखे हैं, जिसे देखकर नजर ही नहीं आता, आखिर नाला हैं कहा पर। अवैध रैंप व सीढ़ियां बरसाती पानी की निकासी में रोड़ा हैं। सफाई अभियान के दौरान नालों के ऊपर रैंप बनने से सफाई ढंग से नहीं हो पाती और बाद में समस्या जलभराव पर पहुंच जाती हैं। बुधवार को मात्र 40 मिनट हुई झमाझम बारिश में ही शहर के आधे से ज्यादा बाजारों में डेढ़ फुट तक पानी जमा हो गया था और नीचे की दुकानों में पानी घुस भी गया। दुकानदार खुद ही पानी निकालते नजर आए। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि हर साल यही स्थिति बनती है। नाले जाम होने के कारण पानी आगे नहीं जा पाता और सड़क पर जमा हो जाता हैं।

हमारे पास कोई विकल्प नहीं: दुकानदार

दुकानदारों का कहना है कि उनके पास कोई विकल्प नहीं है। ग्राहक बाइक या गाड़ी लेकर आता हैं और उसे खड़ी करने के लिए जगह नहीं मिलेगी तो वह हमारा सामान कैसे खरीदेगा। प्रशासन हमें पार्किंग उपलब्ध करवाए हम खुद रैंप हटा देंगे। सीधे रैंप तोड़ने से दुकानदारों का कारोबार ठप हो जाता हैं, सफाई कर्मचारी नालों की गंदगी निकालकर दुकानों के आगे सड़क पर छोड़ देते हैं, जो धीरे धीरे करके फिर से नालों में चली जाती हैं और दुकानदार व ग्राहकों को कई दिन तक गंदगी की बदबू सहनी पड़ती हैं। बरसाती सीजन में नालों व सीवरेज की सही ढंग से सफाई नहीं होने से जलभराव की समस्या बनी रहती हैं और शहर के अंदर संचालित डेयरी इसमें मुख्य समस्या का कारण हैं। डेयरी संचालक पशुओं को सड़कों व गलियों में बांध देते हैं। वहीं पशुओं का गोबर बहकर नालों व सीवरेज में चला जाता हैं। वहीं डेयरी संचालक पशुओं का गोबर परिसर के अंदर एकत्रित करके उसमें पेयजल सप्लाई आने पर पानी छोड़ देते हैं, जिससे नालों व सीवरेज जाम हो जाते हैं।

भिवानी। दिनोद गेट स्थित डिस्पोजल का दृश्य। फोटो : हरिभूमि

कचरा और पॉलीथिन बन रहा है बारिश के पानी निकासी में बाधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

शहर में बारिश के पानी की निकासी के लिए जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के विभिन्न स्थानों पर आठ डिस्पोजल स्थापित हैं और आठ डिस्पोजल सीवरेज के हैं। बुधवार को भारी बारिश के बावजूद दो घंटे में पानी की निकासी हो गई, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली। शहर के कुछ निचले इलाकों में पानी निकासी में कुछ समय अधिक समय लगा, जो स्वाभाविक है। इस बीच आमजन द्वारा नालों व गलियों में फेंके जाने वाला पॉलीथिन और कचरा बारिश के पानी निकासी में बाधा बन रहा है। डीसी साहिल गुप्ता ने नागरिकों से अपील की है कि गलियों व नालों में कूड़ा-कचरा व पॉलीथिन ना डालें ताकि पानी की निकासी निर्बाध रूप से हो सके। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अनुसार डिस्पोजल में पहुंचा पॉलीथिन या कचरा डिस्पोजल में फंस जाता है, जो मोटर जलने का मुख्य कारण है।

सभी डिस्पोजल पर 24 घंटे कर्मचारी तैनात

बारिश के मौसम की शुरुआत के साथ ही जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया है। जिले में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए सभी प्रमुख डिस्पोजल प्वाइंटों पर पंपसेट चालू कर दिए गए हैं। विभाग के अनुसार विकास नगर, कन्हीराम, शिव नगर, मिनी सचिवालय, ढाणा रोड, जीतूवाला जोहड़, राजकीय महाविद्यालय, जागृति कॉलोनी, वैश्य कॉलेज, लघु सचिवालय-चिड़ियाघर रोड, निनाण, देवसर चुंगी, डिफेंस कॉलोनी, ऑटो मार्केट और नेकीराम सहित विभिन्न डिस्पोजल केंद्रों पर कुल 61 पंपसेट लगाए गए हैं, जिनकी क्षमता अलग-अलग है। इनमें लघु सचिवालय-चिड़ियाघर रोड पर 58 क्यूसेक तथा देवसर चुंगी पर 36.5 क्यूसेक क्षमता के पंप प्रमुख हैं। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कार्यकारी अभियंता सूर्यकांत ने बताया कि डीसी साहिल गुप्ता के निर्देशानुसार सभी डिस्पोजल केंद्रों पर चौबीसों घंटे कर्मचारी तैनात किए गए हैं।

अगस्त और अक्टूबर में होंगे विशेष विधिक जागरूकता कार्यक्रम

भिवानी। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जारी निर्देशों के अनुरूप जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), भिवानी की ओर से स्थायी लोक अदालत के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से अगस्त एवं अक्टूबर 2026 में विभिन्न सार्वजनिक संस्थानों में विशेष विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-सह-सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भिवानी पवन कुमार ने बताया कि इन कार्यक्रमों का उद्देश्य आम नागरिकों को स्थायी लोक अदालतों की भूमिका, अधिकार क्षेत्र तथा कार्यप्रणाली की जानकारी देना है ताकि आपसी विवादों का त्वरित एवं सरल समाधान हो सके। उन्होंने बताया कि जागरूकता कार्यक्रम 13 अगस्त को स्थानीय पीएनबी मेन ब्रांच डीएचबीवीएनएल (बिजली बोर्ड) कार्यालय तथा बीएसएनएल कार्यालय (टेलीफोन एक्सचेंज), कृष्णा कॉलोनी, घंटाघर के निकट आयोजित किए जाएंगे। इन तीनों स्थानों पर कार्यक्रमों के संचालन की जिम्मेदारी पैरा लीगल स्वयंसेवक योगेंद्र एवं विरेंद्र सिंह को सौंपी गई है। वहीं 16 अक्टूबर को डाकघर, सिविल अस्पताल तथा ई-दिशा केंद्र, भिवानी में विधिक जागरूकता शिविर लगाए जाएंगे। जहां पैरा लीगल स्वयंसेवक राजपाल एवं प्रीति आमजन को विधिक जानकारी उपलब्ध करवाएंगे।

विभिन्न सार्वजनिक संस्थानों में विशेष विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे

गांधी नगर में सीवरेज ओवरफ्लो, जनजीवन प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

शहर की गांधी नगर कालोनी गली नंबर 20 बी में पिछले करीब छह माह से सीवरेज ओवरफ्लो की समस्या के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गली दूषित और बदबूदार पानी से भरी होने के कारण लोगों का घरों से निकलना तक मुश्किल हो गया है। नागरिकों का कहना है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद प्रशासन और संबंधित विभाग ने अब तक ठोस कदम नहीं उठाया।

क्षेत्रवासियों के अनुसार समस्या जनवरी से लगातार बनी हुई है। इस दौरान वे तीन बार सरकार के समाधान शिविरों में लिखित शिकायत दर्ज करा चुके हैं, फिर भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। समस्या के स्थायी समाधान की मांग को लेकर जयवीर शर्मा, हंसराज, रणसिंह, प्रवीण, विकास, अंकित, छबील दास और मांगे राम सहित कई लोगों ने विभागीय कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई। उनका कहना है कि गंदे पानी के कारण छोटे बच्चों और बुजुर्गों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है तथा पूरा क्षेत्र बीमारियों के खतरे की चपेट में है। मानसून शुरू होने के बाद हालात और गंभीर हो गए हैं। गली में भरा पानी अब कई घरों के मुख्य द्वार तक पहुंच गया है। लोगों को आशंका है कि तेज बारिश होने पर पानी घरों के अंदर घुस सकता है। बदबू और गंदगी के कारण मलेरिया, डेंगू व त्वचा संबंधी रोग फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन से तत्काल सीवरेज व्यवस्था दुरुस्त कर समस्या का स्थायी समाधान करवाने की मांग की है।

गली दूषित और बदबूदार पानी से भरी होने के कारण लोगों का घरों से निकलना तक मुश्किल हुआ

15 दिन में ट्रांसफार्मर नहीं बदले तो बिजली निगम कार्यालय पर देंगे धरना: भाकियू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढ़ड़ा

बाढ़ड़ा में खराब कृषि ट्रांसफार्मरों पर भाकियू का प्रदर्शन का अल्टीमेटमबाढ़ड़ा उपमंडल क्षेत्र में लंबे समय से खराब पड़े कृषि बिजली ट्रांसफार्मरों को लेकर भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) ने दक्षिणी हरियाणा बिजली वितरण निगम के प्रति कड़ा रोष जताया है। यूनियन ने नायब तहसीलदार साहिल दलाल के माध्यम से मुख्यमंत्री और उपायुक्त को ज्ञापन सौंपते हुए निगम को 15 दिनों के भीतर समस्या का समाधान करने का अल्टीमेटम दिया है। चेतावनी दी गई है कि निर्धारित समय में कार्रवाई नहीं होने पर बाढ़ड़ा बिजली निगम कार्यालय के बाहर अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू किया जाएगा।जुई रोड स्थित किसान भवन में भाकियू अध्यक्ष हरपाल सिंह भांडवा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में किसानों ने बताया कि खरीफ सीजन के दौरान कई गांवों में कृषि बिजली ट्रांसफार्मर लंबे समय से खराब पड़े हैं, जिससे सिंचाई कार्य प्रभावित हो रहा है।

नप ने चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

- रेहड़ी-पटरी संचालकों और कुछ दुकानदारों ने विरोध जताया, बहस भी हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

नगर परिषद ने वीरवार को शहर में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाते हुए स्थानीय डॉ. आंबेडकर चौक से रेलवे रोड पर सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की।

अभियान के दौरान रेहड़ी-पटरी संचालकों और कुछ दुकानदारों ने विरोध जताया तथा अधिकारियों के साथ बहस भी हुई। इसके बावजूद नगर परिषद की टीम ने कार्रवाई जारी रखी।अभियान के दौरान सड़क पर रखे सामान, माप-तोल मशीन और अन्य सामग्री को हटाया गया। इस दौरान कुछ रेहड़ी चालकों ने अधिकारियों से कार्रवाई के अधिकार और अपने रोजगार को लेकर सवाल उठाए। मौके पर मौजूद अन्य लोगों ने भी अपनी बातें अधिकारियों के सामने रखीं। कुछ दुकानदारों ने आरोप लगाया कि कार्रवाई सभी अतिक्रमणकारियों पर समान रूप से नहीं की जा रही है और स्थायी अतिक्रमण भी हटाए जाने चाहिए।

नप टीम को बीच में रोकना पड़ा अभियान

कार्रवाई के दौरान मौसम खराब होने से अचानक बारिश शुरू हो गई, जिसके चलते नगर परिषद की टीम को अभियान बीच में रोकना पड़ा। इसके बाद अधिकारी वहां से लौट गए। टीम के जाने के कुछ समय बाद कई स्थानों पर रेहड़ियां और अन्य अस्थायी अतिक्रमण फिर से दिखाई देने लगे, जिससे सड़क पर यातायात व्यवस्था पहले जैसी बनी रही। डॉ. आंबेडकर चौक से रेलवे स्टेशन रोड तक अतिक्रमण और जाम की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क पर अस्थायी और स्थायी अतिक्रमण के कारण आवागमन प्रभावित होता है और कई बार वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। लोगों ने नगर परिषद से नियमित और प्रभावी कार्रवाई की मांग की है ताकि सड़कें अतिक्रमण मुक्त रह सकें।नगर परिषद के जेई वशिश सांगवान ने बताया कि शहर की सड़कों को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए अभियान नियमित रूप से चलाया जाएगा। उन्होंने दुकानदारों और रेहड़ी संचालकों से अपील की कि वे स्वयं ही सड़क पर किया गया अतिक्रमण हटा लें। उन्होंने कहा कि यदि नगर परिषद को कार्रवाई करनी पड़ेगी तो उसके लिए संबंधित व्यक्ति स्वयं जिम्मेदार होगा।

ओरल हेल्थ स्क्रीनिंग कैंप में 25 महिलाओं की हुई जांच

भिवानी। देश में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से चलाई जा रही प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत भिवानी जिले में सराहनीय सकारात्मक पहल की शुरुआत की। शिविरों में गर्भवती महिलाओं के सामान्य स्वास्थ्य के साथ उनके ओरल हेल्थ पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जिले में विशेष ओरल हेल्थ चेकअप काउंटर स्थापित कर गर्भवती महिलाओं की ओरल स्क्रीनिंग का विशेष अभियान चलाया। अभियान के तहत चौधरी बंसीलाल नागरिक अस्पताल में पीएमएसएमए शिविर में दंत सर्जन डॉ. प्रीति ने 25 गर्भवती महिलाओं के ओरल हेल्थ की बारीकी से जांच की।

एचटेट में लापरवाही ने शिक्षा बोर्ड प्रशासन के खोखले दावों की खोली पोल

एनएसयूआई ने शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष का पुतला फूंका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

एचटेट कोलेकर उपजा विवाद अब सड़कों पर आ गया है। परीक्षा प्रक्रिया और उत्तर-कुंजी में गड़बड़ियों का आरोप लगाते हुए अभ्यर्थियों में भारी आक्रोश है। इसी कड़ी में वीरवार को एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने शहर में ज़ोरदार प्रदर्शन किया और हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष का प्रतिकात्मक पुतला फूंका।

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे एनएसयूआई जिला अध्यक्ष मंजीत लांगायन ने बोर्ड प्रशासन और राज्य सरकार पर छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने मई 2026 में मौजूदा शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष के पदभार संभालने के समय के दावों को याद दिलाते हुए कहा कि पद संभालने के बाद बोर्ड प्रशासन ने कई बड़ी-बड़ी बातें की थीं, दावे किए गए थे कि परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी, निष्पक्ष और तकनीकी रूप से सुदृढ़ बनाया जाएगा। लेकिन हाल ही में संपन्न हुई एचटेट परीक्षा ने इन सभी दावों की पोल खोलकर रख दी है। प्रश्न-पत्र और उत्तर-कुंजी को लेकर अभ्यर्थियों द्वारा उठाई गई गंभीर आपत्तियों ने परीक्षा की विश्वसनीयता पर सवालिया खड़ा कर दिया है।

हर एक शिकायत की विशेषज्ञ समिति से जांच कराएं

लांगायन ने कहा कि शिक्षक बनने का सपना आंखों में सजाए लाखों युवा सालों तक दिन-रात कठिन परिश्रम करते हैं। अगर इतनी बड़ी और महत्वपूर्ण परीक्षा ही विवादों के घेरे में आ जाए, तो यह केवल छात्रों के भविष्य का नुकसान नहीं है, बल्कि पूरे शिक्षा तंत्र के भरोसे को तोड़ना है। उन्होंने मांग की कि सरकार और शिक्षा बोर्ड इस मामले में तुरंत हस्तक्षेप कर पूरी पारदर्शिता के साथ कार्रवाई करे। एनएसयूआई ने मांग की कि अभ्यर्थियों द्वारा उठाई गई हर एक शिकायत की किसी स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति से निष्पक्ष जांच कराई जाए। प्रदर्शन में ऋतिक राणा, संदीप, जतिन, सचिन, इमरान, इरफान खान, कुणाल, साहिल, आर.के., पवन, मोहम्मद, यश और सुनील सहित भारी संख्या में एनएसयूआई कार्यकर्ता और पीड़ित छात्र मौजूद रहे।

19 किलो सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त कर 41000 रुपये के काटे चार चालान

- हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और नप की टीम ने चलाया अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और नगर परिषद् की टीम ने जेईई चंचल के नेतृत्व में प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक सामग्री एवं पॉलीथिन का उपयोग पर रोक लगाने एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से शहर में विभिन्न स्थानों पर अभियान चलाया गया। इस दौरान मिनी बाईपास व दिनोद गेट पर 41000 रुपए के चार चालान काटे व 19 किलो सिंगल यूज प्लास्टिक बैग जप्त किए गए।

पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी शैलेंद्र अरोड़ा ने बताया कि शहर के सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत दुकानों में प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की जा रही है। कहीं लोगों को सिंगल उसे प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करने के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि डीसी साहिल गुप्ता के निर्देशानुसार शहर में प्रमुख स्थानों पर जागरूकता बैनर भी लगाए गए हैं, जिनके माध्यम से सिंगल यूज प्लास्टिक के हानिकारक प्रभावों के बारे में आम जनता को जानकारी दी जा रही है।

उन्होंने बताया कि सिंगल यूज प्लास्टिक सामग्री एवं पॉलीथिन का उपयोग पर्यावरण के लिए खतरा है। प्रदूषित पर्यावरण से हमारे स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने अभियान के दौरान दुकानदारों से अपील की है कि प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक और पॉलीथिन का प्रयोग ना करें।

टेक्नोलॉजी

शिखर चंद जैन

बच्चो, वैज्ञानिकों ने आधुनिक तकनीक से युक्त बहुत से ह्यूमेनॉयड रोबोट्स तो बनाए ही हैं, साथ ही कई ऐसे सुपर रोबोट्स भी बनाए हैं, जिनकी आकृति किसी न किसी जीव-जंतु से मिलती-जुलती है। ऐसे ही कुछ 'रोबोट एनिमल्स' के बारे में जानो। साथ ही यह भी जानो कि ये रोबोट्स क्या काम करते हैं?

बड़े काम के हैं ये रोबोट एनिमल्स

बच्चो, अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने हाल ही में शनि ग्रह के उपग्रह एंसेलेडस पर पानी और जीवन का पता लगाने के लिए रोबोटिक सांप 'ईल्स' भेजने की प्लानिंग की है। इसका मुख्य उद्देश्य शनि के बर्फीले चंद्रमा एंसेलेडस की गहराई में छिपे रहस्यों का पता लगाना है। बच्चो, यह कोई पहला रोबोटिक एनिमल नहीं है। वैज्ञानिकों ने ईल्स के अलावा भी जीव-जंतुओं के आकार-प्रकार से इंस्पायर होकर कई सारे अद्भुत रोबोट्स बनाए हैं। ये रोबोट्स उन जगहों पर भी जा सकते हैं, जहां इंसान और पहिए वाले रोबोट या ह्यूमेनॉयड रोबोट्स नहीं पहुंच सकते।

बायोनिक व्हील बॉट रोबोटिक मकड़ी

इस बायोनिक व्हील बॉट रोबोटिक मकड़ी को मोरक्कन फ्लिक-फ्लैक मकड़ी से प्रेरित होकर बनाया गया है। यह 8 पैरों वाला रोबोट चलने और पहिए की तरह लुढ़कने दोनों में सक्षम है। यह रोबोट ऊबड़-खाबड़ जमीन पर चल सकता है, प्लेन सरफेस पर लुढ़ककर दोगुनी गति से आगे बढ़ सकता है, साथ ही यह कुछ हद तक चढ़ाई भी कर सकता है। यह अपने 6 पैरों को मोड़कर एक पहिया बनाता है, बाकी 2 पैरों का उपयोग खुद को आगे धकेलने के लिए करता है। इसमें 15 छोटे मोटर्स और 14 ऑटोमेटिक-लॉकिंग वॉर्म गियर यूनिट्स हैं, जो ऊर्जा बचाने में मदद करते हैं। इसमें एक साथ चलने और लुढ़कने की क्षमता मौजूद है। जटिल इलाकों में नेविगेट करने के लिए इसे ऐसे डिजाइन किया गया है। *

कोरलियो रोबोटिक घोड़ा

जापान की कंपनी कावासाकी द्वारा विकसित यह अनोखा रोबोट घोड़े की फुर्ती और बाइक की तकनीक का अनोखा मिश्रण है। इसमें 150 सीसी का हाइड्रोजन इंजन लगा है, जो बिजली पैदा करता है। यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लैस है, जो ऊबड़-खाबड़ रास्तों, पहाड़ों और बर्फीली सतहों पर गिरते समय भी खुद को संतुलित करने में मदद करता है। इसमें कोई हैंडल नहीं होता। इसकी सवारी करने वाला अपनी बॉडी के वजन को आगे-पीछे या दाएं-बाएं झुकाकर इसे नियंत्रित करता है, ठीक वैसे ही जैसे एक असली घोड़े की सवारी की जाती है। कोरलियो की बॉडी मेटल और कार्बन से बनी है, जो इसे हल्का और मजबूत बनाती है। इसके पैरों में रबर के खुर लगे हैं, जो जमीन पर बेहतर पकड़ प्रदान करते हैं। इसे उन दुर्गम इलाकों के लिए बनाया गया है, जहां पहिए वाले वाहन नहीं पहुंच सकते। *

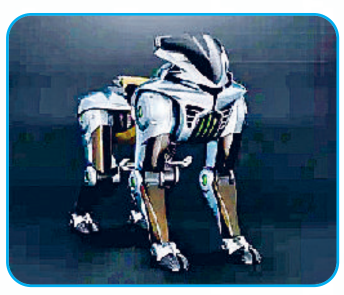

भारतीय सेना में शामिल रोबोटिक डॉग्स

रोबोटिक डॉग्स चार पैरों वाले स्वचालित या रिमोट-कंट्रोल्ड रोबोट होते हैं, जिन्हें रियल डॉग्स की शारीरिक बनावट और व्यवहार की नकल करके डिजाइन किया गया है। इन्हें 'क्वाड्रुप्ड रोबोट' भी कहा जाता है। ये कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जरिए ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर चलने, सीढ़ियां चढ़ने और बाधाओं को पहचानने में सक्षम होते हैं। भारतीय सेना इनका उपयोग दुर्गम क्षेत्रों में निगरानी और बम निरोधक कार्यों के लिए करती है। हाल ही में 'संजय' और 'परम' जैसे स्वदेशी रोबोटिक डॉग्स को रक्षा क्षेत्र में शामिल करने के लिए परखा गया है। ये रोबोट तेल और गैस संयंत्रों या खतरनाक वातावरण में जाकर उपकरणों की जांच और डेटा एकत्र करते हैं। साथ ही भूकंप या अन्य आपदाओं के बाद, ये मलबे के नीचे फंसे लोगों का पता लगाने में मदद करते हैं, जहां इंसानों का पहुंचना कठिन होता है।

मेंटा रे रोबोटिक मछली

चीन के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित मेंटा रे रोबोटिक मछली एक बायो-इंस्पायर्ड सॉफ्ट रोबोट है, जो समुद्र की गहराई में माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण को खाने और इसे साफ करने में सक्षम है। यह अनोखी रोबोटिक मछली, वास्तविक मछली जैसा व्यवहार करती है। यह लगभग 13 मिमी. लंबी है। यह रोबोटिक मछली 5 किलोग्राम तक प्लास्टिक अवशोषित कर सकती है। यह बिल्कुल असली मछली की तरह पानी में तैरती है। करीब 2,000 मीटर की गहराई तक जा सकती है। समुद्री जीवों की निगरानी के लिए इसका उपयोग किया जाता है। *

बायोनिक स्विफ्ट रोबोटिक अबाबील

जर्मनी की कंपनी फेस्टो द्वारा बनाया गया यह एक रोबोटिक पक्षी है, जो बिल्कुल 'अबाबील' पक्षी की तरह उड़ता है। इसका वजन मात्र 42 ग्राम है, पंखों का फैलाव 68 सेंटीमीटर है। इसके पंख फोम के बने होते हैं, जो हवा के दबाव के हिसाब से फैलते और सिकुड़ते हैं, जिससे इसे असली पक्षी जैसी उड़ान मिलती है। यह रेडियो सिग्नल की मदद से बिना किसी रिमोट के, अपने आप एक साथ झुंड में उड़ सकता है। इसमें एक छोटी मोटर, बैटरी और सेंसर लगे होते हैं। यह रोबोट हवा में कलाबाजी करने और तेजी से मुड़ने में भी सक्षम है। *

बच्चो, हमारे घरों के ज्यादातर पंखों में तीन ब्लेड लगे होते हैं, जबकि अमेरिका और कुछ पश्चिमी देशों के पंखों में चार या पांच ब्लेड लगे होते हैं। क्या तुम जानते हो ऐसा क्यों होता है? यहां बता रहे हैं, इसके पीछे की वजह?

क्यों होते हैं भारतीय पंखों में तीन अमेरिकी पंखों में चार-पांच ब्लेड!

यह भी जानो

नयनतारा

बच्चो, तुमने देखा होगा कि हम लोगों के घरों में सीलिंग फैन यानी छत के पंखे में सामान्यतः तीन ब्लेड होते हैं, जबकि अमेरिका सहित कई वेस्टर्न कंट्रीज में प्रायः चार या पांच ब्लेड वाले सीलिंग फैन मिलते हैं। अब तुम्हारे मन में यह सवाल जरूर आ रहा होगा कि भारतीय और अमेरिकी पंखों की ब्लेडों की संख्या में यह अंतर क्यों होता है? जानो, इस बारे में।

पंखे की उपयोगिता: पहले तो तुम यह जान लो कि भारत और अमेरिका में पंखे का इस्तेमाल अलग-अलग मकसद से किया जाता है। अपने देश में साल के ज्यादातर समय मौसम गर्म व उमस भरा रहता है। इस कारण लोगों को तेज हवा के बहाव की जरूरत होती है ताकि तुरंत ठंडक महसूस होने लगे। तेज हवा और ठंडक के लिए भारतीय घरों में पंखे का इस्तेमाल किया जाता है। इसके विपरीत अमेरिका का मौसम भारत की तुलना में ठंडा होता है। इसके साथ ही अमेरिका में अधिकतर घरों में पहले से ही एचवीएसी (हीटिंग वेंटिलेशन एयरकंडीशनिंग) सिस्टम लगे होते हैं, जो मौसम के हिसाब से हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग की सुविधा प्रदान करते हैं। इसलिए यहां सीलिंग फैन का इस्तेमाल आमतौर से कमरे में एचवीएसी वाली हवा को फैलाने के लिए किया जाता है न कि तेज हवा का बहाव बनाने के लिए।

ब्लेडों की संख्या का असर: सीलिंग फैन में लगे ब्लेडों की संख्या उसकी परफॉर्मेंस तय करने में बड़ी भूमिका निभाते हैं। कम ब्लेड होने से मोटर, फैन को तेजी से घुमाती है। इससे हवा का बहाव नीचे की तरफ ज्यादा तेज हो जाता है। हवा का यह केंद्रीय बहाव लोगों को बिना एयर कंडीशन या एचवीएसी के भी ठंडक महसूस करने में मदद करता है। अतः तीन ब्लेड वाला डिजाइन तेज रफ्तार से ठंडक देने के लिए सबसे सही माना जाता है।

ब्लेड की संख्या रफ्तार और हवा के प्रतिरोध पर असर डालती है। ज्यादा ब्लेड होने से पंखे का वजन और हवा का प्रतिरोध बढ़ जाता है, जिससे घूमने की रफ्तार कम हो जाती है। ज्यादा ब्लेड हवा को धीरे-धीरे और समान रूप से घुमाते हैं। इससे पूरे कमरे में समान रूप से एयरकंडीशन या एचवीएसी की हवा का वितरण होता है।

अब तुम समझ गए होगे कि आखिर क्यों अपने देश के सीलिंग फैन में ज्यादातर तीन ब्लेड और अमेरिका समेत कई पश्चिमी देशों में यूज किए जाने वाले सीलिंग फैंस में चार या पांच ब्लेड का इस्तेमाल किया जाता है। *

कविता / जयश्री साकल्ले

छपाक-छप

छप-छप छप-छप छपाक-छप,
पानी में खेलें हम सब।
भीग रहे सोनू के जूते,
भीग रही नीना की चोटी।
रिमझिम बारिश की बूंदों में,
पत्ते दिखलाते करतब।
छप-छप छप-छप छपाक-छप।
भीग गए कपड़े रस्सी के,
भीग गए ठेले सब्जी के।
पानी गड्ढों में भर-भरकर,
बना रहा है छोटे कप।

छप-छप छप-छप छपाक-छप।
भीगा-भागा साइकिल वाला,
भीग रहा स्कूटर वाला।
बस और कार की खिड़की पर,
पट-पट पानी की दस्तक।
छप-छप छप-छप छपाक-छप।
भीग रहा आंगन नानू का,
टपक रहा छप्पर भानू का।
गरम चाय के संग पकौड़े,
अम्मा बना रही है अब।
छप-छप छप-छप छपाक-छप।

एआई इमेज

कहानी

नीना सिंह सोलंकी

बरसात आई तो सुरभि वन के पक्षियों के सामने बारिश से बचने की समस्या आ खड़ी हुई। पक्षियों को समझ में ही नहीं आ रहा था कि कहां जाएं? तभी चीची गिलहरी मदद के लिए आगे आई। उसने जो किया, सभी पक्षियों के लिए बहुत बड़ी बात थी।

दोस्ती का फर्ज

चीची गिलहरी सुरभि वन में एक बरगद की खोह में घर बनाकर रहती थी। उसके तीन बच्चे भी उसके साथ रहते थे। उसका घर पूरे वन में मशहूर था। उसने बड़ी मेहनत से इसे बनाया था। बरगद के मोटे तने की खोह में जगह भी काफी थी। उसने तिनके तोड़-तोड़ कर चार कमरे बना रखे थे। एक कमरे में वह दाना इकट्ठा करके रखती थी। दूसरे में नरम घास बिछा कर सोने के लिए इंतजाम किया था। तीसरे में बच्चे सारा दिन खेलते। पड़ोस की टिन्नी गौरैया और मुनमुन मैना के बच्चे भी चीची के बच्चों के साथ खेलते। चौथे कमरे में चीची अपने दोस्तों टिन्नी, मुनमुन, टेंटें तोता और गुटरू कबूतर के साथ गपशप करती। कभी-कभी गपशप बहुत लंबी चलती। वे सब चीची के घर को बहुत पसंद करते थे। कभी किसी को भूख लगती वह सीधा चीची के घर आ जाता। वह उसे प्यार से बिठाती, खिलाती-पिलाती और अच्छी-अच्छी बातें करती।

चीची बारिश का मौसम आने से पहले ही दाना एकत्रित करना प्रारंभ कर देती थी। वह बड़ी दूर-दूर तक दाने की खोज में जाती थी। चीची बच्चों को समझा कर घर से निकलती थी। दाने का स्थान मिल जाने पर सारे दिन दाना ढोती। जब शाम होने लगती, दाना ढोना बंद कर देती। दाना यथास्थान रखकर फिर बच्चों को पेट भर दाना खिलाती। वह अपने बच्चों को खूब प्यार करती थी।

चीची ने बड़ी मेहनत से इस वर्ष फसल कम होने के बावजूद हर वर्ष की भांति ही दाना एकत्रित कर लिया था। बारिश शुरू हो चुकी थी। उस दिन सुबह से ही मौसम कुछ खराब था। आसमान में बादल छाए हुए थे। तेज हवाएं बादलों को उड़ाए लिए जा रही थीं। एकाएक तेज बारिश होने लगी। चारों ओर अंधेरा छा गया। हवा और बारिश ने तूफान का रूप ले लिया। सुरभि वन के सारे पशु-पक्षी सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने के लिए यहां-वहां दौड़ने लगे। कितने ही वृक्ष उखड़ गए। चीची हिम्मत करके बाहर आई और सभी पक्षियों को अपने घर बुलाने लगी। बरगद का पेड़ मजबूत होने के कारण उसके घर को कोई खतरा नहीं था। टिन्नी, मुनमुन, टेंटें, गुटरू और भी कई दोस्त चीची के यहां अपने बच्चों को लेकर आ गए। अंदर आकर सबने चैन की सांस ली। चीची सबकी आव-भगत में लग गई। मौसम कई दिन बाद खुला। इतने दिन चीची ने सबको अपने घर में ही रखा। सबके भोजन की व्यवस्था की। जब मौसम बिल्कुल साफ हो गया तो सब चीची से विदा लेकर जाने लगे। टिन्नी बोली, 'बहन, तुम न होती तो हम सबका बहुत बुरा हाल हो जाता।'

एआई इमेज

'चीची, तुमसे अच्छा दोस्त तो कोई हो ही नहीं सकता।' मुनमुन ने भी हां में हां मिलाई।

टेंटें कहने लगा, 'तुम्हारी इस नेकी को हम सब कभी नहीं भूल पाएंगे। तुम्हें भी कभी किसी सहायता की जरूरत हो तो बताना। हम सब तुम्हारे साथ होंगे।'

'कैसे उतारेंगे तुम्हारा यह अहसान। तुम न होती तो हमारे बच्चों का क्या होता?' गुटरू भावुक होते हुए बोला।

सबकी बातें सुनकर चीची हंसते हुए बोली, 'अरे भाई! मैंने किसी पर कोई अहसान नहीं किया। यह तो मेरा फर्ज था। दोस्त यदि संकट में काम न आए तो फिर वो दोस्त ही कैसा।'

'चीची आंटी, हमें तो आपके यहां इतना अच्छा लगा कि घर जाने का मन ही नहीं हो रहा है।' मुनमुन के बच्चों की बात सुनकर सब ठहाका मार कर हंस पड़े। कुछ देर बाद सभी खुशी-खुशी अपने घर वापस चले गए। *

हंसगुल्ले

टीचर : बताओ पिंकी, 6 के बाद क्या आता है?
पिंकी : सर, उस वक्त मेरे घर तो दूध वाले अंकल दूध लेकर आते हैं।
-हर्ष, बिलासपुर

टीचर : सबसे ज्यादा ठंड कहां होती है?
राहुल : सर, फ्रीजर में।
-खुशी, रायपुर

सोना : अच्छा हुआ कि मैं गुजरात में पैदा नहीं हुई।
मोना : क्यों?
सोना : मुझे गुजराती बोलना नहीं आती है न, तो वहां मैं लोगों से बात कैसे कर पाती?
-सौम्य, रोहतक

जीके क्विज-213

1. पिछले दिनों किस दक्षिण-पूर्वी एशियाई देश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रदान किया?
2. भारतीय वायुसेना के 51वें उप-प्रमुख कौन बने हैं?
3. भारत के 97वें शतरंज ग्रैंड मास्टर कौन बन गए हैं?
4. इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने वाले बेन स्टोक्स किस देश के खिलाड़ी हैं?
5. किस युद्ध के बाद सम्राट अशोक ने बौद्ध धर्म अपनाया था?
6. राज्यसभा के सभापति कौन होते हैं?
7. किस तत्व की उपस्थिति के कारण हमारे खून का रंग लाल होता है?
8. किस गैस को लाफिंग गैस भी कहा जाता है?
9. महात्मा गांधी के पिता का नाम क्या था?
10. रतौंधी (नाइट ब्लाइंडनेस) नामक बीमारी किस विटामिन की कमी से होती है?

बच्चो, जीके क्विज-213 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-212 का उत्तर: 1 लियोनेल मेसी, 2.रूस, 3.तुषार मेहता, 4.राज्यसभा, 5.चंद्रगुप्त मौर्य, 6.अफ्रीका, 7.कीव, 8.नई दिल्ली, 9.यकृत (लिवर), 10.चार्ल्स बैबेज

जीके क्विज-212 का सही उत्तर देने वाले: वेदिका-बालोद, जियांश-झज्जर, कबीर-हिसार, जिया शिया-रायगढ़, कोमल-रायपुर, शिवम-दुर्ग, शशांक-बिलासपुर, हर्षिता-रोहतक, पूजा-महासमुंद, संजना-बलौदा बाजार, हर्ष-कटनी

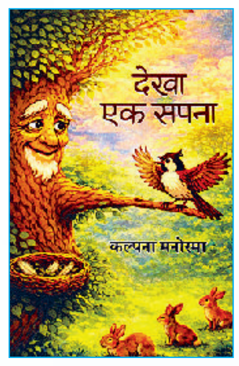

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

मनोरंजक कहानियां

बच्चो, हाल में ही साहित्यकार कल्पना मनोरमा के द्वारा लिखी गई बाल कहानियों की किताब 'देखा एक सपना' छपकर आई है। इस संग्रह में कुल ग्यारह बाल कहानियां संकलित हैं। ये कहानियां कहीं हंसाती हैं, कहीं गुदगुदाती हैं तो कहीं सरल ढंग से कोई सीख देती हैं। इस किताब की पहली कहानी 'देखा एक सपना' में तुम पढ़ोगे कि एक नन्ही सी बुलबुल सपने में पेड़ से कैसी मीठी-मीठी बातें करती है! इस कहानी में विभिन्न ऋतुओं की महत्ता के साथ ही बच्चों को मोबाइल की लत से दूर रहने की भी सीख दी गई है। यह कहानी तुम्हें अपने पर्यावरण के प्रति सजग और संवेदनशील भी बनाती है। संग्रह में संकलित 'छगन का बांका मुर्गा' नटखट भोला की मजेदार कहानी है, जिसमें तुम पढ़ोगे कि कैसे वह खुद ही सुबह देर से जगने की आदत को छोड़ने को तैयार हो जाता है? दिल्ली स्थित अमृत उद्यान में मुनमुन की मस्ती भरी सैर को तुम 'मुनमुन की सैर' कहानी में पढ़ सकते हो तो पढ़ने में होशियार बच्चा निक्कू क्यों झूठ बोलता है, इसे जानने के लिए तुमको 'निक्कू फेमस हो गया' कहानी पढ़नी होगी। अन्य कहानियों में तुमको कहीं गिलहरी फुदकती नजर आएगी तो कहीं गौरैया की चहक सुनाई पड़ेगी। ये कहानियां तुम्हारा मनोरंजन तो करेंगी ही तुम्हें अपने आस-पास के वातावरण के प्रति सजग भी बनाएंगी। *

किताब : देखा एक सपना (बालकथा संग्रह), **लेखिका :** कल्पना मनोरमा, **मूल्य :** 150 रुपए, **प्रकाशक :** अनन्य प्रकाशन, दिल्ली

अंतर बताओ

बच्चो, यहां दिए गए दोनों चित्रों में एक गिलहरी अपने कोटर में मूंगफली स्टोर कर रही है। एक जैसे दिख रहे इन दोनों चित्रों में पांच अंतर हैं। तुम जल्दी से इन दोनों चित्रों में पांच अंतर ढूंढ कर बताओ।

उत्तर: 1.गिलहरी के कोटर में पहले से रखी मूंगफली गायब है। 2.पीछे बाईं तरफ पेड़ की पतली टहनी गायब है। 3.गिलहरी की आंखें खुली हुई हैं। 4.गिलहरी के पास कुछ अधिक मूंगफलियां हैं। 5.पेड़ की मोटी टहनी में नीचे की तरफ से पत्तियां गायब हैं।

सही मिलान करो

बच्चो, यहां बाईं तरफ चार अलग-अलग जंतुओं के चित्र दिए गए हैं। दाईं तरफ उन चित्रों की परछाइयां दी गई हैं, जो सीक्वेंस में नहीं हैं। तुम पेंसिल या पेन की सहायता से प्रत्येक चित्र के साथ उसकी सही परछाई का मिलान करो।

उत्तर : 1-c, 2-d, 3-a, 4-b

डीएलएफ फाउंडेशन काउंसिल और भिवानी पुलिस चलाएगी अभियान

विभाग व संस्थान के अधिकारी मिलकर लगाएंगे 8,000 पौधे

डीएलएफ फाउंडेशन ने गत वर्ष जिला पुलिस भिवानी के साथ मिलकर लगभग 3,000 पौधों का किया था रोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

डीएसपी क्राइम अनूप कुमार के नेतृत्व में डीएलएफ फाउंडेशन काउंसिल, गुरुग्राम के सहयोग से पुलिस लाइन भिवानी में पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से विशेष पौधरोपण अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर डीएलएफ फाउंडेशन काउंसिल के महेंद्र सिंह (सेवानिवृत्त आई आर एस), स्पेशल डायरेक्टर, डीएलएफ फाउंडेशन गुरुग्राम, रविंद्र सांगवान सहित उनकी टीम, जिला पुलिस के निरीक्षक सत्यनारायण व अधिकारी, कर्मचारी तथा अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण तथा पौधरोपण के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई तथा अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनकी देखभाल करने का संकल्प दिलाया गया।

महेंद्र सिंह ने बताया कि डीएलएफ फाउंडेशन ने गत वर्ष भी जिला पुलिस भिवानी के साथ मिलकर लगभग 3,000 पौधों का सफलतापूर्वक रोपण किया था। उसी अभियान को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष 8,000 पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि डीएलएफ फाउंडेशन पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है तथा भविष्य में भी जिला पुलिस भिवानी के साथ मिलकर ऐसे जनहित एवं पर्यावरण हितैषी अभियानों का आयोजन करती रहेगी।

हर व्यक्ति का पौधरोपण में योगदान जरूरी

डीएसपी क्राइम अनूप कुमार ने कहा कि जिला पुलिस और डीएलएफ फाउंडेशन द्वारा पिछले वर्ष से लगातार पर्यावरण संरक्षण एवं पौधारोपण अभियान चलाया जा रहा है। वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण एवं जलवायु परिवर्तन को देखते हुए प्रत्येक व्यक्ति का पौधारोपण में योगदान अत्यंत आवश्यक है। यदि प्रत्येक नागरिक एक पौधा लगाकर उसकी नियमित देखभाल करे तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण उपलब्ध कराया जा सकता है।

संस्कार और संस्कृति का संगम है किसी भी अवसर पर पौधरोपण : शुकदेव मुनि

भिवानी। आज के आधुनिक दौर में जहां लोग अपनी शादी की सालगिरह पर महंगे होटलों में पार्टियों और फिजूलखर्ची को तरजीह देते है। वही समाज को एक नई दिशा दिखाते हुए श्री हरियाणा शेखावटी संस्कृत महाविद्यालय के प्राचार्य सुनील शास्त्री और उनकी धर्मपत्नी वंदना शर्मा ने अपनी शादी की 15वीं वर्षगांठ को बेहद अनूठे और प्रेरणादायक तरीके से मनाया। इस दंपति ने अपनी खुशियों को प्रकृति के साथ साझा करते हुए श्रीहरियाणा शेखावटी संस्कृत महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण किया। इस विशेष और पुनीत कार्य के साक्षी बनने तथा पर्यावरण संरक्षण के इस संदेश को समाज तक पहुंचाने के लिए हरियाणा शेखावटी ब्रह्मचर्य आश्रम समिति के प्रशासक शुकदेव मुनि कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए।

संस्कृत महाविद्यालय प्राचार्य सुनील शास्त्री और पत्नी वंदना शर्मा ने किया पौधरोपण

पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि और हरियाणा शेखावटी ब्रह्मचर्य आश्रम समिति के प्रशासक शुकदेव मुनि ने सुनील शास्त्री और वंदना शर्मा के इस कदम की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि शास्त्रों में एक वृक्ष को दस पुत्रों के समान माना गया है। सुनील शास्त्री और वंदना शर्मा ने अपनी वैवाहिक वर्षगांठ पर जो पौधा रोपा है, वह केवल मिट्टी में एक बीज डालना नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए शुद्ध हवा और जीवन को सींचना है। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में इस दंपति की यह सोच अत्यंत सराहनीय और अनुकरणीय है। आज जब ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण जैसी समस्याएं पूरी दुनिया के सामने चुनौती बनी हुई हैं, ऐसे समय में हर नागरिक को अपने जीवन के विशेष अवसरों पर कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। इस मौके पर प्राचार्य सुनील शास्त्री ने कहा कि हम हर साल अपनी खुशियों को पारंपरिक तरीकों से मनाते हैं, लेकिन इस बार हमारी शादी की 15वीं वर्षगांठ पर हमने और मेरी पत्नी वंदना ने यह संकल्प लिया कि हम कुछ ऐसा करेंगे जो समाज और प्रकृति के लिए सार्थक हो। इस अवसर मीरा शर्मा, पारूल, पवन शर्मा, ललिता शर्मा, अंजू शर्मा, राहुल यादव, जितेन्द्र, संतोष, निर्मला भी मौजूद रहे।

टक्कर से बुजुर्ग की मौत, चालक फरार

नारनौल। शहर के सिंघाना रोड पर गुरुवार सुबह तेज रफ्तार कार की टक्कर से साइकिल सवार एक बुजुर्ग की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक कार सहित मौके से फरार हो गया। सिटी थाना पुलिस ने मृतक के बेटे की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में सिंघाना रोड निवासी जगजीत ने बताया कि उनके पिता लाल सिंह (80) रोजाना की तरह सुबह सैर के लिए निकले थे। सुबह करीब साढ़े छह बजे वह साइकिल से घर लौट रहे थे। इसी दौरान पीछे से तेज गति से आई दिल्ली नंबर की एक कार ने उनकी साइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि लाल सिंह कई फुट ऊपर उछलकर करीब दस फुट दूर सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग और परिजन मौके पर पहुंचे तथा घायल को नागरिक अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजनों का आरोप है कि हादसे के बाद चालक कार लेकर फरार हो गया। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में हादसा और संदिग्ध कार दिखाई दे रही है। फुटेज में टक्कर के बाद कार कुछ दूरी तक साइकिल को घसीटते हुए भी नजर आ रही है। पीड़ित परिवार ने पुलिस को सीसीटीवी फुटेज और वाहन नंबर उपलब्ध कराते हुए आरोपित चालक की शीघ्र गिरफ्तारी और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

सरकारी स्कूलों में गूंजी प्रेरणा की गूंज बच्चों को मिला आगे बढ़ने का हौसला

■ **शिक्षा के सहारे ही बड़े सपनों को हकीकत में किया जा सकता है तबदील : सचिन जैन**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

शिक्षा केवल अक्षरों का ज्ञान नहीं, बल्कि समाज के नवनिर्माण की सबसे मजबूत नींव है। इसी उद्देश्य को धरातल पर उतारते हुए भिवानी जिले के पांच प्रमुख सरकारी विद्यालयों में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के सम्मान में एक बेहद प्रेरणादायक समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नाथुवास, राजकीय प्राथमिक पाठशाला नाथुवास, राजकीय कन्या प्राथमिक पाठशाला कालूवास, राजकीय प्राथमिक पाठशाला कालूवास और राजकीय माध्यमिक स्कूल कालूवास में संपन्न हुआ। सभी विद्यालयों में समारोह की शुरुआत भारतीय संस्कृति के अनुरूप मुख्य अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन और पुष्प अर्पण के साथ हुई। इसके बाद शैक्षणिक और खेलकूद जैसी सह-शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया।

वन विभाग ने विद्यालयों को सौंपे पौधे

बाढ़ड़ा। मानसून के आगमन के साथ पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विद्यालयों में पौधरोपण अभियान की शुरुआत की गई। इसी कड़ी में वन विभाग, बाढ़ड़ा ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय काकड़ौली हुकमी को विभिन्न प्रकार के फलदार एवं छायादार पौधें उपलब्ध करवाए। विद्यालय को लगभग 15 पौधें प्रदान किए, जिनका रोपण विद्यालय परिसर में लीगल लिटरेसी क्लब के अंतर्गत किया जाएगा। क्षेत्रीय वन अधिकारी आरएफओ बाढ़ड़ा रविन्द्र राणा ने कहा कि विद्यालय में पौधें उपलब्ध करवाने का अभियान शुरु किया है। पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और घटते हरित क्षेत्र को देखते हुए प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह अधिक से अधिक पौधे लगाए और उनकी नियमित देखभाल भी सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि केवल पौधारोपण करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि पौधों को वृक्ष बनने तक संरक्षित रखना भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। आरएफओ राणा ने जानकारी दी कि वन विभाग की ओर से बाढड़ा, बिन्द्रावन तथा बडेसरा नर्सरियों में पर्याप्त संख्या में पौधें उपलब्ध हैं। उन्होंने सभी शिक्षण संस्थानों, सामाजिक संगठनों तथा आम नागरिकों से अपील की कि मानसून के इस अनुकूल मौसम का अधिकतम लाभ उठाते हुए अपने घरों, विद्यालयों, खेतों तथा सार्वजनिक स्थानों पर पौधारोपण अवश्य करें।

साफ और रुके पानी में पनपता है डेंगू का मच्छर

तोशाम। उपमंडल अस्पताल तोशाम के प्रभारी एवं वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुधीर चाहर के मार्गदर्शन तथा राजेंद्र एच.आई. की देखरेख में मलेरिया एवं डेंगू के बढ़ते मौसम को देखते हुए वीरवार को क्षेत्र के गांव कीरावड़ के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान उप स्वास्थ्य केंद्र किरावड़ में कार्यरत सुनील एमपीएचडब्ल्यू ने विद्यार्थियों को मलेरिया एवं डेंगू के कारण, लक्षण, फैलने के तरीके तथा इनसे बचाव के उपायों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डेंगू का मच्छर साफ एवं रुके हुए पानी में पनपता है, इसलिए घरों एवं आसपास पानी जमा न होने दें। साथ ही पूरी बाजू के कपड़े पहनें, मच्छरदानी एवं मच्छररोधी उपायों का नियमित उपयोग करें तथा बुखार आने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच एवं उपचार कराएं। विद्यालय के विद्यार्थियों ने जागरूकता कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा मलेरिया एवं डेंगू से बचाव संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के माध्यम से समाज में जागरूकता फैलाना तथा आमजन को इन मौसमी बीमारियों से सुरक्षित रहने के लिए प्रेरित करना था।

हमें प्राकृतिक संसाधनों का सदुपयोग करना चाहिएः प्रो. दीप्ति धर्माणी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

पर्यावरण संरक्षण और हरित पहल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय के माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा आज पौधा लगाएं, कल की रक्षा करें विषय पर मेगा वृक्षारोपण अभियान-2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्री महेंद्र सिंह (आईआरएस), भारत सरकार के पूर्व सदस्य जीएसटी, सीबीआईसी एवं लोकपाल,ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में रविंदर सांगवान, प्रबंध निदेशक, इंडस प्रॉम्प्ट लीगल एलएलपी पधारे। इस अवसर पर विवि की कुलगुरु प्रो. दीप्ति धर्माणी संरक्षक एवं कुलसचिव प्रो. भावना शर्मा सह-संरक्षक के रूप में गरिमामय उपस्थिति रही। कुलगुरु प्रो.दीप्ति धर्माणी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए हमें अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाने चाहिए। हमें प्राकृतिक संसाधनों का सदुपयोग करना चाहिए।

समाधान शिविर में उपायुक्त ने सुनीं नागरिकों की समस्याएं

चरखी दादरी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार वीरवार को लघु सचिवालय स्थित हाल में उपायुक्त मनदीप कौर की अध्यक्षता में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। समाधान शिविर में उन्होंने नागरिकों की समस्याएं सुनी तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीसी ने कहा कि आमजन को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर न लगाने पड़ें। सभी अधिकारी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए निर्धारित समयावधि में उनका निस्तारण सुनिश्चित करें, ताकि लोगों को त्वरित राहत मिल सके। सरकार के निर्देशानुसार प्रत्येक सोमवार एवं वीरवार को प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक जिला व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर आयोजित किए जाते हैं। इन शिविरों का उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं की एक ही स्थान पर सुनवाई कर उनका शीघ्र समाधान करना है। इस दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं को सुना गया।

निजी कंपनी को लाइसेंस देने के विरोध में उतरी सीपीआई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

केंद्र व राज्य की भाजपा सरकार सार्वजनिक बिजली क्षेत्र को मजबूत करने की बजाय निजीकरण के रास्ते को पुख्ता करने में लगी हुई है। सीपीआई(एम) भिवानी जिला कमेटी सार्वजनिक बिजली क्षेत्र के निजीकरण करने का सख्त विरोध करती है और बिजली ऊर्जा जैसी आवश्यक सेवा को बेहतर बनाने की हिमायत करती है। इलेवन पावर प्राइवेट लिमिटेड की हरियाणा के नूह व गुरुग्राम राजस्व जिलों के लिए वितरण लाइसेंस प्रदान करने हेतु याचिका एचईआरसी /याचिका संख्या 30 वर्ष , को लेकर सीपीआई(एम) हरियाणा राज्य कमेटी की ओर से राज्य सचिव प्रेम चंद व राज्य कमेटी सदस्य वीरेन्द्र मलिक ने हरियाणा विद्युत नियामक आयोग के समक्ष सख्त आपत्ति दर्ज करवाते हुए विभिन्न सुझावों को रखा है। जिला सचिव कामरेड ओमप्रकाश ने कहा कि विद्युत ऊर्जा जैसी महत्वपूर्ण और वर्तमान समय में आवश्यक सेवा का निजीकरण किया जाना देश के संविधान की लोक कल्याणकारी अवधारणा तथा उपभोक्ताओं व सेवा प्रदाता कर्मचारियों के हितों के विरुद्ध है, क्योंकि निजी कंपनी का प्रमुख उद्देश्य मुनाफा कमाना होता है। उससे लोक कल्याण की अपेक्षा नहीं की जा सकती।

मॉडल संस्कृति विद्यालय में एनसीसी भर्ती परीक्षा आयोजित

भिवानी। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में एनसीसी भर्ती परीक्षा आयोजित की गई। प्राचार्या सविता घणघस व एनसी ऑफिसर विनय कुमार के मार्गदर्शन में हुई इस प्रक्रिया में 250 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। 11 हरियाणा बटालियन से आए नायब सूबेदार लोकेश कुमार व सी.एच.एम. अमित कुमार ने विद्यार्थियों को एनसी के नियमों व देश सेवा से अवगत कराया। भर्ती में शारीरिक व मानसिक गतिविधियां करवाई गईं। प्राचार्या ने सभी का धन्यवाद करते हुए छात्रों को अनुशासन और राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में राकेश रोहिल्ला, सुमन पूनिया, अनुराधा, राकेश दहिया, अनिल कुमार अरोड़ा, आलोक शर्मा का सहयोग रहा।

7वें महीने में जन्मे जुड़वां बच्चों को मिला नया जीवन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

चिकित्सा के क्षेत्र में विशेषज्ञता, अत्याधुनिक तकनीक और सरकारी योजनाओं का सही तालमेल यदि मिल जाए तो सबसे मुश्किल चुनौतियों को भी जीता जा सकता है। ऐसा ही एक प्रेरक और चमत्कारिक मामला दिनोद गेट स्थित अंचल मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल एंड मैटरनिटी सेंटर में सामने आया है, जहां डॉक्टरों की टीम ने सातवें महीने में प्री-मैच्योर जन्मे जुड़वां बच्चों की जान बचाने में अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। सबसे राहत की बात यह रही कि इस बेहद खर्चीले और जटिल इलाज का पूरा खर्च आयुष्मान भारत योजना के तहत कवर हुआ, जिससे पीड़ित परिवार पर एक पैसे का भी आर्थिक बोझ नहीं पड़ा।

जानकारी के अनुसार बीते 2 जून की रात को बवानीखेड़ा निवासी मुस्कान पत्नी प्रिंस को बेहद गंभीर और जटिल स्थिति में अस्पताल लाया गया। मुस्कान सात महीने की गर्भवती थीं और जुड़वां बच्चों को जन्म देने वाली थीं।

सुरेंद्र सिंह चौक से हर्बल पार्क तक चलाया पौधरोपण अभियान : एसडीएम

तोशाम। एसडीएम संदीप कुमार की अध्यक्षता में चौधरी सुरेंद्र सिंह चौक से हर्बल पार्क तक पंचायत, प्रशासन और व्यापारियों ने सयुंक्त रुप से पौधा अभियान का शुभारम्भ किया गया। पंचायत, प्रशासन और व्यापारियों द्वारा सामूहिक फैसला लेकर तोशाम को जाम मुक्त और हरा भरा बनाने की अनूठी पहल शुरु कर दी है। सुरेंद्र सिंह चौक से हर्बल पार्क भिवानी रोड रॉल मॉडल बनाया जाएगा। तोशाम को हरा भरा और जाम मुक्त बनाने में हर नागरिक को भागीदार बनाने के लिए यह एक मिसाल के रुप में निर्णय है। पौधा रोपण अभियान में सरपंच राजेश तंवर, पूर्व सरपंच एवं वरिष्ठ व्यापारी देवराज, पूर्व सरपंच धर्मबीर लाम्बा, सुरेंदर, मंजीत, ईश्वर, हाकीम अली, मुकेश बामलिया, रामकुमार, रमेशमिस्त्री, सुनील शर्मा, बिजेन्दर पेंटर, दिलबाग, मदन सोनी, कालू, सत्यवान काटिया, कालिया मिस्त्री पुर वाले, सोनू मिस्त्री, महादेव सहित अनेक व्यापारी, वन, पीडबलूडी सहित अन्य विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

सम्मान | सावन कृपाल रूहानी मिशन ने भिवानी के मुख्य बस स्टैंड पर दो महीने चलाई जलसेवा

61 दिन यात्रियों की प्यास बुझाने वालों को महाप्रबंधक ने किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित करते जीएम रोडवेज। फोटो : हरिभूमि

जल ही जीवन है और इस जीवन को चिलचिलाती धूप में सहेजने का काम अगर कोई पूरी श्रद्धा से करे, तो वह सेवा ईश्वर की भक्ति बन जाती है। ऐसा ही एक अद्वितीय उदाहरण भिवानी में देखने को मिला, जहां सावन कृपाल रूहानी मिशन (कृपाल आश्रम, हनुमान गेट शाखा) द्वारा भिवानी के मुख्य बस स्टैंड पर लगातार दो महीने तक ठंडे और शुद्ध पानी की कृपाल प्याऊ और छबील लगाई गई। इस बेमिसाल जनसेवा के लिए हरियाणा राज्य परिवहन की ओर से मिशन के सेवादारों को विशेष प्रशंसा व सम्मान पत्र प्रदान किया गया है। गर्मी के इस मौसम में यात्रियों को राहत देने के लिए इस विशेष प्याऊ का शुभारंभ एक मई को भिवानी के उपायुक्त साहिल गुप्ता और हरियाणा राज्य परिवहन भिवानी के महाप्रबंधक दीपक कुंडू द्वारा किया गया था। यह सेवा 30 जून तक रोजाना सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक अनवरत जारी रही। समापन के अवसर पर भी परिवहन विभाग के अधिकारियों ने शिरकत कर मिशन के सेवादारों के जज्बे को सलाम किया।

मिशन द्वारा चलाई गई इस प्याऊ की सबसे खास बात इसकी गुणवत्ता और पैमाना रही कि इसमें 61 दिनों में बस स्टैंड से गुजरने वाले लाखों यात्रियों और रोडवेज स्टाफ की प्यास बुझाई गई। हर रविवार को यात्रियों को गर्मी से निजात दिलाने के लिए ठंडे व मीठे शर्बत की छबील लगाई जाती थी। बस स्टैंड पर पिलाने के साथ-साथ रोडवेज की बसों में रखे यात्रियों व स्टाफ के कैंपरों को भी ठंडे पानी से भरा जाता था। सावन कृपाल रूहानी मिशन की यह सेवा केवल पानी तक सीमित नहीं रही। रोजाना दोपहर के समय जरूरतमंद यात्रियों के लिए स्वादिष्ट लंगर की व्यवस्था की गई। मुहिम के आखिरी दिन 30 जून बस अड्डा प्रांगण में सत्संग और ध्यान साधना शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों यात्रियों ने भाग लेकर आत्म-जागृति का अनुभव किया।

यह सेवा 30 जून तक रोजाना सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक अनवरत जारी रही

भीषण गर्मी में भी हमें बस स्टैंड पर यात्रियों के लिए पानी की रत्ती भर भी किल्लत महसूस नहीं हुई

हरियाणा राज्य परिवहन के महाप्रबंधक दीपक कुंडू ने कहा कि पिछले वर्ष 2025 में भी मिशन द्वारा लगाई गई प्याऊ के बेहद सार्थक परिणाम रहे थे, जिसे देखते हुए हमने इस वर्ष भी सहर्ष मंजूरी दी। इस भीषण गर्मी में भी हमें बस स्टैंड पर यात्रियों के लिए पानी की रत्ती भर भी किल्लत महसूस नहीं हुई। मिशन के सेवादारों ने जिस प्यार और श्रद्धा से लोगों को पानी पिलाया है, वह काबिले-तारीफ है। यह पूरी मुहिम मिशन के अध्यक्ष संत राजिन्दर सिंह के सान्निध्य और मार्गदर्शन में चलाई जा रही है। संत राजिन्दर सिंह महाराज आज पूरे विश्व में ध्यान-अभ्यास के जरिए प्रेम, एकता और शांति का संदेश दे रहे हैं। उनके इन प्रयासों के लिए उन्हें विभिन्न देशों द्वारा 5 डॉक्टरेट की उपाधियों और कई अंतर्राष्ट्रीय शांति पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है। उन्होंने बताया कि मिशन का मुख्य केंद्र विजय नगर दिल्ली और अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय नेपरविले अमेरिका में है, जिसके दुनिया भर में 3,450 से अधिक केंद्र हैं।

बार व बेंच के समन्वय से ही न्याय व्यवस्था होती सशक्त : सुरेंद्र

चरखी दादरी। जिला बार एसोसिएशन दादरी परिसर में वीरवार को नवनियुक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश डीआर चालिया तथा अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश तरणजीत कौर के सम्मान में समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में न्याय पालिका और अधिवक्ता समुदाय के बीच आपसी विश्वास, सहयोग और समन्वय को और अधिक मजबूत बनाने पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम में जिला न्यायालय के न्यायाधीश सतीश कुमार एडीजे, निधि सोलंकी सीजेएम, संजीव काजला सीजेएम, एमजेड खान जेएमआईसी, लक्ष्य गर्ग जेएमआईसी, रजत अरोड़ा जेएमआईसी, अन्नु जेएमआईसी तथा उपभोक्ता फोर्म के अध्यक्ष मंजीत नरयाल आदि मौजूद रहे। जिला बार एसोसिएशन के प्रधान सुरेंद्र मेहड़ा व सचिव राकेश डोहकी ने पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिन्ह भेंटकर नवनियुक्त न्यायाधीशों का स्वागत एवं सम्मान किया। मेहड़ा ने कहा कि न्याय पालिका और अधिवक्ताओं का संबंध केवल कार्य तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह न्याय के मंदिर की दो ऐसी सशक्त कड़ियां हैं, जिनके परस्पर सहयोग से आम नागरिक को समयबद्ध, निष्पक्ष और प्रभावी न्याय मिल पाता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई न्यायिक टीम के नेतृत्व में जिला न्यायालय में न्यायिक कार्यों की गुणवत्ता और गति दोनों में सकारात्मक सुधार देखने को मिलेगा।

खबर संक्षेप

स्नातक प्रथम वर्ष में दाखिले 12 जुलाई तक

लोहारू। चौ बंसीलाल राजकीय महाविद्यालय में कला, वाणिज्य और विज्ञान संकाय के प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 12 जुलाई तक बढ़ा दी गई है। पात्र उम्मीदवार ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन जमा करवा सकते हैं। प्राचार्य डॉ. दलजीत सिंह ने बताया कि प्रतिस्पर्धी दौर में उच्च शिक्षा सफलता की सबसे मजबूत नींव है। उन्होंने कहा कि राजकीय महाविद्यालय लोहारू गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुभवी एवं समर्पित प्राध्यापकों, अनुशासित शैक्षणिक वातावरण तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए उत्कृष्ट सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है।

समाधान शिविर में डिप्टी सीईओ ने सुनीं समस्याएं

भिवानी। डीसी साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए सभागार में वीरवार को समाधान शिविर का आयोजित हुआ। समाधान शिविर में जिला परिषद के डिप्टी सीईओ रविन्द्र दलाल ने नागरिकों की समस्याएं सुनी। उन्होंने सभी शिकायतों को ध्यान से सुना और संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि वे समस्याओं का त्वरित समाधान करें। डीप्टी सीईओ के समक्ष गैर-सरकारी सदस्य सुनील ने पुराना बस स्टैंड स्थित कुम्हारों का मोहल्ला, वार्ड नंबर-6 में फौजी पनवाड़ी के पास लगे ट्रांसफार्मर से अंदर गली के खंभे तक नई बिजली की तार डलवाने व गैर सरकारी सदस्य नरेंद्र ग्रेवाल ने नौरंगाबाद, निनान, फुलपुरा व बामला बरसात से पहले इन सभी गांव के फिरने नालों की सफाई करवाने की मांग रखी।

विद्यार्थियों को राष्ट्रनिर्माण का दिया संदेश

भिवानी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने अपने 78वें स्थापना दिवस पर सर्वपल्ली राधाकृष्णन स्कूल में राष्ट्र के पुनर्निर्माण में विद्यार्थियों की भूमिका विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम में अभाविप के प्रदेश सहमंत्री सुनील शास्त्री की विशेष उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्यतिथि उद्योगपति अमित बंसल तथा अध्यक्षता प्राचार्या मीनाक्षी ने की। कार्यक्रम की प्रस्तावना डॉ. इंदु तंवर ने रखी। प्रदेश सहमंत्री सुनील शास्त्री ने कहा कि विद्यार्थी केवल भविष्य के नागरिक नहीं, बल्कि वर्तमान के सक्रिय राष्ट्र निर्माता हैं।

स्कूल खुलने के बाद नहीं पहुंची गेहूं व चावल की खेप

उधार के राशन से किया जा रहा है बच्चों का पोषण

जुलाई माह का मिड-डे मील राशन अभी तक स्कूलों में नहीं पहुंचा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। दोपहर के समय भोजन करते स्कूली बच्चे। फोटो : हरिभूमि

गर्मी की छुट्टियां खतम होने के बाद स्कूलों में बच्चों की नियमित क्लासें शुरू हो गई,लेकिन बच्चों को दोपहर के वक्त दिया जाने वाले मिड डे मील का राशन का स्टॉक नहीं पहुंचा है। स्कूलों में गेहूं व चावल का स्टॉक नहीं होने से स्कूल मुखिया एक दूसरे स्कूल से उधार में गेहूं व चावल लेकर बच्चों को दोपहर का भोजन दिया जा रहा है। हालांकि स्कूल मुखियाओं ने अधिकारियों से स्कूलों में जुलाई माह में गेहूं व चावल का स्टॉक न भेजने की शिकायत की,लेकिन अभी तक शिक्षा विभाग ने इस तरफ से कोई कदम नहीं उठाया है। जिस वजह से स्कूल मुखिया पड़ौस के स्कूलों से गेहूं व चावल उधारा लेकर बच्चों को दोपहर के वक्त दिए जाने वाला भोजन तैयार करवा रहे है,जबकि मिड डे मील के लिए सबसे ज्यादा जरूरी गेहूं व चावल ही होता है। उल्लेखनीय है कि शिक्षा विभाग ने सरकारी स्कूलों में दोपहर के समय दिए जाने वाले भोजन के तहत अप्रैल माह में गेहूं व चावल का स्टॉक भेजा था। उसके बाद स्कूलों की मई व जून में छुट्टिया हो गई। इस दौरान न तो गेहूं का स्टॉक पहुंचा और न ही चावल। नया स्टॉक न पहुंचने की वजह से अनेक स्कूलों में गेहूं व चावल पूरी तरह से खतम हो गया,लेकिन प्रत्येक स्कूल में गेहूं व चावल के बिना दोपहर के वक्त भोजन तेयार नहीं किया जा सकता। क्योंकि किसी खाने में चावल तो किसी खाने में गेहूं का प्रयोग होता है। अब जिन स्कूलों में गेहूं व चावल का स्टॉक खतम हो गया। उन स्कूलों के मुखियाओं ने पड़ौसी स्कूल से गेहूं व चावल उधार लेना शुरू कर दिया। इस तरह के जिले में करीब दो दर्जन के आसपास स्कूल होंगे। जो कि पूरी तरह से गेहूं व चावल के लिए पड़ौस के स्कूलों पर निर्भर है।

शिकायत के बाद अभी तक नहीं हुआ समाधान

यहां यह बताते चले कि स्कूलों में गेहूं के आटे से रोटियां बनाई जाती है और खिचड़ी में चावल का प्रयोग होता है। पुलाव में भी चावल का प्रयोग किया जाता है। अगर ये दोनों चीजें नहीं होगी तो मिड डे मील किस तरह से तैयार हो पाएगा। इस बारे में स्कूल मुखियाओं ने संबंधित अधिकारी से शिकायत की, लेकिन अभी तक उनकी इस समस्या की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया है। जिसके चलते स्कूलों में यह समस्या बनी हुई है।

बच्चों ने उत्साह से मनाया येलो कलर-डे

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

लिटिल हार्टस कान्वेन्ट स्कूल, भिवानी में आज प्री-नर्सरी व नर्सरी कक्षा के बच्चों द्वारा येलो कलर डे मनाया गया। विद्यालय के महासचिव संजय गोयल, एम.डी. पवन गोयल व भावना गोयल ने बताया कि इस अवसर पर नन्हे-मुन्हे बच्चों ने अपने उत्साह व आत्मविश्वास का परिचय देते हुए एक से बढ़कर एक अपनी उत्कृष्ठ प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों ने आकर्षक फलों आम, केला, पपीता, संतरे आदि की वेशभूषा में किरदार निभाते हुए व हमारे जीवन में फलों व स्वस्थ खान-पान के महत्व बताते हुए स्वास्थ्य संबंधी संदेश दिए। उन्होने बताया कि इस अवसर पर छात्रों और शिक्षकों ने पीले रंग के परिधान पहने, जिससे स्कूल परिसर में रंगों की एक नई चमक आ गई।

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित बच्चे व शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

स्वस्थ खान-पान के महत्व को बताया

विद्यालय के निदेशक रामानन्द सिंघल, ऐश्वर्या सिंघल, राहुल गोयल, विनय गोयल, निश्चल गोयल व साक्षी गोयल ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए उनकी अनुठी प्रतिभा की सराहना की व मनुष्य जीवन में फलों व स्वस्थ खान-पान के महत्व के बारे में बताया। इस अवसर पर प्राचार्या वीना सेठ, को-आर्डिनेटर ज्योति, रिटा शर्मा, रिना, कविता, रिना सैनी, पायल, हिमांशी, सुधा, अन्नु, मोनिका, सुमन सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित था।

22 गांवों में होगा सोशल ऑडिट

लोहारू। एसईपीओ सुरेश कुमार ने बताया कि आगामी 20 जुलाई से लोहारू खंड के 22 गांवों में वीबीजीरामजी योजना के तहत पंचायतों में हुई कार्यों की सोशन ऑडिट की जाएगी। इस सामाजिक अंकेक्षण पूर्ण पारदर्शिता बरती जाएगी तथा सभी पात्र उम्मीदवारों की इसमें भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इससे पहले एसईपीओ सुरेश कुमार ने गुरूवार को बैठक का आयोजन किया और बैठक में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सोशल ऑडिट यूनिट के ब्लॉक रिसोर्स कॉर्डिनेटर मोनिका ने बताया कि 20 जुलाई से खण्ड के 22 गांवों के बीबीजी रामजी के कार्यो की सोशल ऑडिट होगी।

एसआईआर अभियान में मतदाता प्रपत्रों का 80% डिजिटाइजेशन पूरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

निर्वाचन आयोग के आदेशों पर जिले में एसआईआर का काम तेजी से किया जा रहा है और वीरवार दोपहर 1 बजे तक मतदाता गणना प्रपत्र को डिजिटाइज करने का काम 80 प्रतिशत से भी अधिक पूरा किया जा चुका है। उपायुक्त मनदीप कौर ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को काम पूरा करने के लिए 12 जुलाई तक का समय दिया है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त मनदीप कौर ने बताया कि एसआईआर के तहत जिले में मतदाता गणना प्रपत्रों को डिजिटाइज किया जा रहा है। इसके बाद 21 जुलाई को मतदाता सूची का ड्राफ्ट प्रकाशित होगा व इसके बाद निर्धारित कार्यक्रम अनुसार दावे एवं आपत्ति सुनी जाएंगी। उन्होंने बताया कि फिलहाल प्रपत्रों को डिजिटाइज करने का काम तेजी से किया जा रहा है और जिले में 80.30 प्रतिशत प्रपत्र डिजिटाइज हो चुके हैं, जिनमें से दादरी विधानसभा में 74.88 प्रतिशत और बाढड़ा विधानसभा में 86.08 प्रतिशत प्रपत्रों को डिजिटाइज किया गया है। मतदाताओं के पास अब बहुत कम समय बचा है। ऐसे में तुरंत प्रपत्र भरकर बीएलओ को जमा करा दें।

रोल प्ले में अचीना रही प्रथम

- विजेता टीमें राज्य स्तर पर करेंगी जिले का प्रतिनिधित्व

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

चरखी दादरी। विजेता टीमों के विद्यार्थी स्टाफ व अतिथियों के साथ।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बिरहीकलां में वीरवार को जिला स्तरीय रोल प्ले एवं लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिलेभर के राजकीय विद्यालयों की टीमों ने अपनी दमदार प्रस्तुतियों से दर्शकों और निर्णायकों का मनमोह लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला शिक्षा अधिकारी एवं सह-प्राचार्य डाइट बिरहीकलां धर्मेंद्र चौधरी ने द्वीप प्रज्वलित कर किया। चौधरी ने कहा कि दादरी जिला जिस प्रकार बोर्ड परीक्षाओं के उत्कृष्ट परिणामों से प्रदेश में अग्रणी बनकर उभरा है, उसी प्रकार खेलकूद, नवाचार एवं अन्य सह-शैक्षणिक गतिविधियों में भी लगातार अपनी अलग पहचान स्थापित कर रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जिले के विद्यार्थी सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए राज्य स्तर पर चरखी दादरी का नाम रोशन करेंगे। नरेश ने बताया कि रोल प्ले वर्ग में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अचीना ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि लोक नृत्य प्रतियोगिता में एसआरएस राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल सांवड़ ने प्रथम स्थान हासिल कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया।

एसआईआर के तहत शिविर में दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहल

ग्राम पंचायत के तत्वाधान में कस्बे के पंचायत घर में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत शिविर आयोजित किया गया। शिविर में एसडीएम मनोज दलाल ने पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों व कर्मचारियों से अभियान को पूरी गंभीरता और पारदर्शिता के साथ सफल बनाने का आह्वान किया। बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में एसडीएम मनोज दलाल ने कहा कि मतदाता सूची लोकतंत्र की आधारशिला है। इसलिए प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम सही तरीके से दर्ज होना आवश्यक है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि जिन मतदाताओं ने अभी तक अपना एसआईआर फॉर्म जमा नहीं कराया है, वे आज और कल के भीतर संबंधित बीएलओ के पास अनिवार्य रूप से फॉर्म जमा कर दें, ताकि पुनरीक्षण कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य किसी भी पात्र मतदाता का नाम छूटने न पाए और पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से संपन्न हो।

बहल। पंचायत घर में आयोजित शिविर में लोगों को संबोधित करते हुए एसडीएम मनोज दलाल। फोटो : हरिभूमि

पारदर्शिता पर जोर

शिविर में सरपंच साधुराम पनिहार ने कहा कि बहल में एसआईआर का कार्य पूरी पारदर्शिता, सुनियोजित ढंग और तय समय के अनुसार किया जा रहा है। उन्होंने सभी मतदाताओं से अभियान में सहयोग करने और समय रहते अपने आवश्यक दस्तावेज एवं फॉर्म संबंधित बीएलओ के पास जमा कराने की अपील की। इस अवसर पर सभी वार्ड पंच, आशा वर्कर्स, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, बीएलओ, नंबरदार तथा क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने एसआईआर अभियान को सफल बनाने के लिए प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा-27 के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू

भिवानी। पीएमश्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, देवराला के प्राचार्य विनोद कुमार ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2027-28 के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा -2027 के माध्यम से कक्षा 6 में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। इच्छुक एवं पात्र विद्यार्थी 31 जुलाई 2026 तक निःशुल्क ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में कक्षा 5 में अध्ययनरत ऐसे विद्यार्थी, जिनकी जन्म तिथि एक मई 2015 से 31 जुलाई 2017 के बीच है, आवेदन करने के पात्र हैं। अभ्यर्थी के माध्यम से अपना ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं, जबकि विस्तृत विवरणिका एवं अन्य जानकारी पर उपलब्ध है। प्राचार्य ने बताया कि जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा -2027 का आयोजन 28 नवंबर 2026 को किया जाएगा। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अंतिम तिथि की प्रतीक्षा किए बिना समय रहते अपने बच्चों का आवेदन सुनिश्चित करें, ताकि किसी भी तकनीकी या अन्य कारण से आवेदन करने में परेशानी न हो।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005, 8295157800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

शत-प्रतिशत मतदान के लिए चलाया जागरूकता अभियान

- वोट फार्म जमा करवाने में 14 जुलाई का इंतजार न करें नागरिक : रामअवतार
- एसआईआर मात्र प्रशासनिक कार्य नहीं, लोकतंत्र का आधार : प्रजापति

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

लोकतंत्र के महापर्व में समाज के हर वर्ग की शत-प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भिवानी में सराहनीय पहल की गई है। चुनावी प्रक्रिया के प्रति जन-जागरूकता फैलाने और हर नागरिक को उसके वोट की कीमत समझाने के लिए वीरवार को पुराना बस स्टैंड स्थित वार्ड नंबर-6 के बूथ नंबर 11 में विशेष गहन पुर्ननिरीक्षण अभियान चलाया। सामाजिक कार्यकर्ता रामअवतार प्रजापति व ईश्वर यादव ने उपस्थित नागरिकों को मतदान और मतदाता सूची की शुद्धि की महत्ता से रूबरू करवाया।

लोकतंत्र होगा सशक्त

अभियान में समाजसेवी सतीश शेखावत, सुरेंद्र सोनी, डब्ल्यू ठाकुर, सत्ते प्रजापति व डीसी प्रजापति ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। रामअवतार ने कहा कि एसआईआर को केवल एक औपचारिक या प्रशासनिक प्रक्रिया के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। वास्तव में यह हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था को अधिक सटीक, पारदर्शी और समावेशी बनाने का एक अत्यंत महत्वपूर्ण माध्यम है, जब मतदाता सूची शत-प्रतिशत त्रुटिहीन होगी, तभी एक सशक्त लोकतंत्र की नींव मजबूत हो सकेगी।

नशा मुक्ति अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा के राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और समाज को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में सीआरसी-कम-विद्यालय इंचार्ज सुनील कुमार ने अपनी विषेष उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों तथा अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि उसके परिवार, समाज और भविष्य पर भी गंभीर प्रभाव डालता है। उन्होंने बताया कि आज के युवाओं को नशे जैसी बुराइयों से दूर रहकर शिक्षा, खेल और रचनात्मक गतिविधियों में अपनी ऊर्जा लगानी चाहिए। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को जीवन में सकारात्मक सोच अपनाने और अपने साथियों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने नशा मुक्ति विषय पर भाषण, कविता एवं जागरूकता संदेश प्रस्तुत किए।

बवानीखेड़ा। नशा मुक्ति अभियान को लेकर शपथ लेते हुए। फोटो : हरिभूमि

स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान

कार्यक्रम के दौरान नशे के दुष्प्रभावों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां भी साझा की गईं। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और समाज में जागरूकता फैलाने का संदेश दिया। उपस्थित सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों ने नशे से दूर रहने तथा समाज को नशा मुक्त बनाने की शपथ ली। विद्यालय इंचार्ज सुनील कुमार ने कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे ताकि युवा पीढ़ी को नशे के दुष्प्रभावों से बचाया जा सके।

एक निजी स्कूल की मान्यता को लेकर दो ने जताया हक

निजी स्कूल संचालकों में मचा हड़कंप, वाहनों के कागजात और रिकॉर्ड दुरुस्त करने में जुटे

हरिभूमि न्यूज ⏭ बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा में अवैध रूप से संचालित निजी स्कूलों और बच्चों की सुरक्षा से जुड़े मुद्दे को प्रमुखता से उठाए जाने के बाद क्षेत्र के कई स्कूल संचालकों में हड़कंप का माहौल देखने को मिला। वीरवार को पूरे दिन अनेक निजी स्कूलों के मुखिया अपने स्कूल वाहनों की मेंटेनेंस करवाते तथा आवश्यक दस्तावेजों को पूरा करने में जुटे दिखाई दिए तो कई हवाला देते हुए दिखाई दिए कि वे अपने कंडम वाहनों को छोड़ देंगे। सूत्रों के अनुसार, बिना मान्यता प्राप्त स्कूलों के रूप में संचालित हो रही कई दुकानों और छोटे भवनों में भी गतिविधियां तेज रहीं। स्कूल संचालक व स्टाफ रिकॉर्ड, प्रवेश रजिस्टर, कर्मचारियों के दस्तावेज और अन्य आवश्यक अभिलेखों को दुरुस्त करने में लगे रहे। कई स्थानों पर अचानक बढ़ी हलचल चर्चा का विषय बनी रही। बताया जा रहा है कि धर्मशालाओं और छोटी दुकानों में संचालित कुछ स्कूलों में भी खबर के बाद हड़कंप मच गया। ढुंढ़वा जोहड़ के करीब चल रहे बिना मान्यता प्राप्त विद्यालयों में खासा हड़कंप दिखाई दिया। संचालकों ने व्यवस्थाओं को सुधारने और रिकॉर्ड अपडेट करने की कवायद शुरू कर दी है। वहीं एक निजी स्कूल की मान्यता को लेकर भी प्रश्न खड़े हो गए हैं, एक विद्यालय समिति पर दो व्यक्तियों ने अपना हक जमाया है। बताया जाता है कि इसको लेकर मामला उपायुक्त, एसपी व जिला रजिस्ट्रार को भी भेजा गया है। इधर, क्षेत्र के कई अभिभावकों ने भी बच्चों की सुरक्षा और मान्यता संबंधी मामलों को लेकर शिक्षा विभाग के अधिकारियों को शिकायत देने के संकेत दिए हैं। अभिभावकों का कहना है कि यदि स्कूल नियमों के अनुरूप नहीं चल रहे हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए ताकि बच्चों का भविष्य और सुरक्षा दोनों सुनिश्चित हो सके।

बच्चों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं

दूसरी तरफ इस संबंध में खंड शिक्षा अधिकारी सतेन्द्र सिंह ने कहा कि विभाग को यदि किसी भी स्कूल के खिलाफ लिखित शिकायत प्राप्त होती है तो नियमानुसार जांच कर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

13 दिनों से बैठे हैं सुंदर ब्रांच में पानी को लेकर क्षेत्र वासी

बवानीखेड़ा। जमालपुर गांव में धरना 13 दिन के धरने की अध्यक्षता कामरेड वेद प्रकाश खेडी ने की। कामरेड वेद ने कहा कि अभी तक तो किसान धरने के माध्यम से को आगाह करना चाहते है कि सरकार या तो समय रहते सुंदर नहर के किसान मजदूर व आम जनता की पानी की समस्या का समाधान कर दे नहीं तो इलाके की जनता सरकार के खिलाफ अभियान चलाकर बहुत बड़ा आंदोलन करने पर मजबूर होंगें। क्योंकि सुंदर नहर में कई सालों से उनके हक का पानी नहीं मिला जिसके कारण इस इलाके की जनता पीने का पानी भी टैंकरों से मंगवाना पड़ता है जो गरीब मजदूर व आम जनता की जेब पर खर्च बढ जाता है इसलिये सरकार समय रहते सुंदर नहर में पुरा की मांग को पूरा करे। इस अवसर पर जगदीश पूर्व सरपंच रतेरा,अखिल भारतीय किसान सभा के तहसील प्रधान राजेश कूंगड़,प्रहलाद यादव,रामकुमार यादव,कृष्ण जमालपुर, सुनील अलखपुरा, दलबीर, स्कीम, विजय जमालपुर, जयवीर फौजी, रामफल ढाणी किरावड चंद्रो, सावित्री, बाला, सुरेंद्र, कमलेश, लीलो, बिमला, बबीता, फुली, सुनीता आदि ने धरने में समर्थन दिया।